ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

यह शक्तियां भी आपको बाप के प्रापर्टी में मिली हैं। तो मालिक बनके आर्डर करो। मालिक बनके आर्डर नहीं करते हो, शक्ति खो जाती है ना तो उसी स्थिति में रहते हुए आर्डर करते हो, तो मालिक ही नहीं है आर्डर क्यों मानें! तो बापदादा अभी क्या चाहते हैं? पता है ना! बाप अभी यही चाहते हैं कि मेरा एक-एक बच्चा कर्म करते हुए भी राजा बच्चा बन, स्वराज्य अधिकारी बन स्वराज्य की सीट को नहीं छोड़े। तो राजा सारा दिन राजा ही होता है ना! कि कभी राजा होता है कभी नहीं। तख्त पर बैठना या नहीं बैठना वह अलग बात है लेकिन घर में भी रहते मैं राजा हूँ, यह तो नहीं भूलता। **तो कर्मयोगी और अमृतवेले के यथार्थ योग शक्तिशाली स्थिति उसमें फर्क नहीं पड़ना चाहिए। डबल काम है लेकिन आप कौन हो? आप तो विश्व के परिवर्तक हो, विश्व कल्याणकारी हो। इसलिए बाप यही चाहते कि चलते-फिरते राजापन नहीं भूलो, सीट को नहीं छोड़ो।** बिना सीट के कोई आर्डर नहीं मानता। आजकल देखो सीट के पीछे कितना कुछ करते हैं? अपना हक लेने के लिए कितना प्रयत्न करते। अपना हक कोई छोड़ने नहीं चाहता। तो आप अपना परमात्म हक मैं कौन! हर समय जो काम करते हो तो काम करते भी अपने मन का टाइमटेबल बनाके रखो।

AMRITVELA

You have received these powers as the Father's property. So, issue an order while being the master. You don't issue an order while being a master, and so you lose your power. Therefore, when you issue an order in that stage, then, if you are not the master, why should the powers obey you? So, what does BapDada want now? You know that, do you not? The Father wants each of His children while performing actions to become a king's child, master of the self and not to let go of the seat of self sovereignty. A king is a king throughout the whole day, is he not? Or, is he a king sometimes and not at other times? To be seated on the throne or not is a different matter, but, even while at home, he doesn't forget that he is the king. **So, there shouldn't be a difference between being a karma yogi and having a powerful stage of accurate yoga at Amrit vela. It is double work, but who are you? You are the world transformers and the world benefactors. This is why the Father wants you, while you are walking and moving around, to not forget being the king; do not let go of your seat.** Without your seat no one would obey your orders. Nowadays, just see how much they do for a seat! They try so hard to claim their right! None of them wants to let go of their right. So, you should claim your Godly right, "Who am I?" Every moment that you are working, even while doing your work, make a timetable for your mind.

Self Management

"अब मैंने दुख देने वालों और नुकसानदायक व्यवहार करने वालों के साथ भी बहुत अच्छा व्यवहार करना शुरू कर दिया है क्योंकि मुझे अपनी शांति और खुशी अत्यंत प्रिय है"

Om Shanti

बाप आकर कांटों को
फूल बनाते हैं। बड़े से
बड़ा कांटा है काम
विकार।

Message For Today

3 principles for a better life..!

✅ Learn lesson from the past..,

✅ Strengthen yourself for the future..,

✅ Make the most of the present.

BRAHMAKUMARIS

फट से किसी का नुक्स निकाल देना- यह भी दुःख देना है।

अत्यधिक सोचना अच्छा नहीं होता, ये उन समस्याओं का भी निर्माण कर देता है जो वास्तव में हैं ही नहीं..

YOUTH WING
BRAHMA KUMARIS
ALL OUR DREAMS CAN
COME TRUE, IF WE
HAVE THE COURAGE
TO PURSUE THEM
#BKYOUTHWING

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org